Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : **4**

IBO-04

02634

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2011

IBO-04 : EXPORT – IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer both **parts A and B.***

PART - A

1. Comment on *any four* of the following : **5x4=20**

(a) As a result of liberalisation in India's foreign trade policy there are no restrictions on imports.

(b) All export documents are needed only in compliance with government regulations. If the Government regulations are withdrawn, no documents will be needed.

(c) A confirmed Irrevocable letter of credit is the safest method for realising export proceeds.

(d) I I F T is the government agency set up for the purpose of disseminating information about foreign markets and export - import opportunities.

(e) There is no difference between domestic and international sales contract.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

PART - B

Answer ***any four*** questions.

2. What are the major implications of FOB and CIF contracts respectively with regard to functional responsibilities cost sharing and risk transfer ? Explain giving suitable illustrations in support of your answer. **10+10**

3. What are the advantages of arbitration over 'litigation' as a method of dispute settlement in international trade ? Explain giving illustrations. **20**

4. What are the key elements of an Electronic Data Interchange (EDI) system ? Discuss its role and functions. **10+10**

5. Make a flow chart of processing an export order from its examination upto shipment stage. **20**

6. A letter of credit reconciles the conflicting interests of buyers and sellers in an export contract. Discuss **20**

7. Write short notes on ***any two*** of the following. **10+10**
   (a) Shipping Bill
   (b) Forward Exchange Cover
   (c) Exports under rule 19 of Central Excise Rebate Scheme.
   (d) Deemed Exports

ignou ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

आई.बी.ओ-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खंड-अ और खंड-ब दोनों खण्डों के उत्तर लिखिये।*

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** कथनों की समालोचन कीजिये। 5x4=20

   (a) भारत के विदेश व्यापार नीति में उदारीकरण के फलस्वरूप आयात पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है।

   (b) सभी निर्यात प्रलेखों की आवश्यकता सरकारी नियमों के अनुपालन में ही है। यदि सरकारी नियम हटा दिये जायें तो किसी प्रलेख की आवश्यकता नहीं होगी।

   (c) एक पुष्टिकृत अनिरसनीय साख पत्र (a confirmed Irrevocable letter of credit) ही निर्यात आय की प्राप्ति का सबसे सुरक्षित तरीका है।

   (d) आई.आई.एफ.टी. एक सरकारी एजेंसी है जो विदेशी बाजार एवं आयात-निर्यात अवसर संबंधित जानकारी देने के उद्देश्य से स्थापित की गई हैं।

   (e) देशी एवं विदेशी विक्रय अनुबंध में कोई अन्तर नहीं होता।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

खण्ड-ब

2. कार्यात्मक उत्तरदायित्वों, लागत साझेदारी एवं जोखिम हस्तान्तरण के सन्दर्भ में FOB एवं CIF अनुबंध के प्रमुख निहितार्थ क्या है? अपने उत्तर के समर्थन में उपयुक्त उदाहरण दीजिये। **10+10**

3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में विवाद निपटान के लिए मध्यस्थता विधि के लाभ मुकदमेबाजी (litigation) की तुलना में क्या हैं? उदाहरण देते हुये व्याख्या कीजिये। **20**

4. इलेक्ट्रानिक डाटा इंटरचेंज (EDI) प्रणाली के प्रमुख तत्व क्या हैं? इसकी भूमिका एवं कार्यों का विवेचन कीजिये। **10+10**

5. एक निर्यात आदेश की कार्यवाही का निर्यात आदेश की जांच से लेकर पोत लदान तक का प्रवाह चार्ट बनाइये। **20**

6. "एक निर्यात अनुबंध में साख पत्र, क्रेता एवं विक्रेता के विरोधी हितों का मिलान करता है।" विवेचना कीजिये। **20**

www.ignouassignmentguru.com

7. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणीयाँ लिखिये : **10+10**

   (a) जहाजी बिल

   (b) वायदा विनिमय कवर (Forward exchange cover)

   (c) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की छूट योजना के नियम 19 के अन्तर्गत निर्यात

   (d) समनिर्यात

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 4

IBO-04

01313

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

December, 2011

IBO-04 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer both **parts A** and **B**.*

PART - A

1. Comment on ***any four*** of the following statements : **5x4=20**

   (a) Foreign Trade (Development and Regulation) Act is the only legislation seeking to regulate foreign trade operations.

   (b) Exporter-Importer Code (IEC) Number is needed for export and import of goods and services from India.

   (c) Bill of Lading is a document issued by the shipping company as an evidence of receipt of goods also acts as document of title.

   (d) In a high risk situation, export credit insurance can be of immerse help not only to exporters but also to the banks who provide finance for export transactions.

   (e) Documentary Collection (DP and DA payment term is riskier than Documentary Credit (Letter of Credit).

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

PART - B

Answer *any four* questions.

2. Export documents are needed to comply with commercial, legal and incentive requirements. Discuss any one of these three perspectives in detail mentioning the various documents needed. **20**

3. What do you understand by the Value Added Network (VAN) ? What are its key components ? Explain giving appropriate illustrations in support of your answer. **5+15**

4. What do you mean by packing credit ? What is the purpose of extending the credit ? Explain the conditions, procedure and also the stage of export transaction for grant of this facility. **5+5+10**

5. Why is cargo insurance needed ? Describe the various kinds of perils against which insurance cover can be obtained. Explain with suitable illustrations. **5+15**

www.ignouassignmentguru.com

6. Discuss the terms of procedures and attendant documentation in various stages of customs clearance of import cargo. **20**

7. Write short notes on *any Two* of the following : **10+10**
   (a) Incoterms 2000
   (b) Certificate of Origin
   (c) Chartering Practices
   (d) Special Economic Zones.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2011

आई.बी.ओ-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***खंड-अ*** *और* ***खंड-ब*** *दोनों खण्डों के उत्तर लिखिये।*

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** कथनों पर टिप्पणी कीजिए। **5x4=20**

   (a) विदेश व्यापार (विकास तथा विनियमन) अधिनियम ही एकमात्र ऐसा विधान है. जो विदेश व्यापार प्रचालन को विनियमित करता है।

   (b) आयातक-निर्यातक कोड (IEC) संख्या की आवश्यक्ता, भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं के आयात एवं निर्यात के लिये होती है।

   (c) जहाजी बिल्टी जहाजी कम्पनियों द्वारा निर्गमित एक प्रलेख है जो जहाजी कम्पनी द्वारा दी गई माल की रसीद का साक्ष्य है। यह स्वामित्व प्रलेख जैसा कार्य भी करता है।

   (d) बहुत अधिक जोखिम की स्थिति में निर्यात ऋण बीमा, न सिर्फ निर्यातकों के लिये बल्कि उन बैंकों के लिये भी, जो निर्यात लेन-देन के लिये वित्त प्रदान करते हैं, अत्यधिक सहायक होती है।

   (e) प्रलेखीय वसूली (DP और DA) भुगतान की शर्त, प्रलेखीय (साख पत्र) से अधिक जोखिम भरी है।

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

खण्ड-ब

किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. निर्यात प्रलेखों की आवश्यकता वाणिज्यिक, कानूनी और प्रोत्साहन आवश्यकता के अनुपालन के लिये होती है। इन दृष्टिकोणों में से किसी एक का वर्णन, आवश्यक विभिन्न दस्तावेजों (प्रलेखों) का उल्लेख करते हुये करिये। **20**

3. अतिरिक्त मूल्य नेटवर्क (VAN) से आप क्या समझते हैं? अपने उत्तर के समर्थन में उपयुक्त उदाहरण देकर समझाइये। **5+15**

4. पैकिंग साख से आप क्या समझते हैं। साख को बढ़ाने का उद्देश्य क्या होता है? इसके मुख्य घटक कौन-कौन से हैं? इस सुविधा को प्रदान करने लिये आवश्यक शर्तों, प्रक्रियाओं एवं निर्यात लेन-देन के चरणों को समझाइये। **5+5+10**

5. जहाजी माल बीमा की आवश्यकता क्यों होती है? विभिन्न प्रकार के जोखिमों की व्याख्या करिये जिसके लिये बीमा संरक्षण (बीमा कवर) प्राप्त किया जाता है। उपयुक्त उदाहरण के साथ वर्णन करिये। **5+15**

www.ignouassignmentguru.com

6. आयात माल की सीमा शुल्क निकासी के विभिन्न चरणों, प्रक्रिया की शर्तों तथा आवश्यक प्रलेखन की व्याख्या करिये । **20**

7. निम्नालिखित में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये - **10+10**
   (a) इंकोटर्म्स 2000
   (b) मूलस्थान प्रमाण पत्र
   (c) चार्टर प्रथाएं
   (d) विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ).

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 4

IBO-04

09887

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2012

IBO-04 : EXPORT – IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

*Note : Answer both **parts A and B.***

PART - A

1. Comment on ***any four*** of the following statements : 4x5=20

   (a) EDI is not a technology, it is a solution to a business need.

   (b) Export Import Bank of India does not compete with the commercial banks.

   (c) Clearing and forwarding agents play an important role in export-import business operations.

   (d) Foreign Trade Policy of India encourages the industry to enhance its competitiveness in global markets.

   (e) Documentation in export business is complex but not difficult.

   (f) Letter of credit is the safest method of realising export proceeds.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

PART - B

Answer *any four* questions.

2. Enumerate the various factors which motivate a firm to export. Illustrate your answer with suitable examples. **20**

3. What is the rationale of export trade control ? What are the different types of control exercised on exports ? Discuss the procedure for obtaining an export license. **5+10+5**

4. What are the various payment terms used in export trade ? Arrange them in order of safety and explain how documentary credit system is better than documentary collection ? **5+15**

5. Explain the characteristic features of INCO terms. **20**

6. Describe in detail the procedures and related documentation involved in custom clearance of export cargo. **20**

7. Write short notes on *any two* of the following : **10+10**
   (a) Uniform custom and Practices relating to Documentary Credit
   (b) Airway Bill
   (c) Export Promotion Councils
   (d) Self Certification scheme for pre-shipment inspection

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

आई.बी.ओ-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड-अ तथा **खण्ड-ब** दोनों कीजिए।*

खण्ड-अ 4x5=20

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** कथनों की समालोचना कीजिए।

   (a) इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज (EDI) एक प्रौद्योगिकी नहीं है, यह व्यवसाय की आवश्यक्ताओं का एक समाधान है।

   (b) EXIM बैंक व्यापारिक बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करता।

   (c) निकासी व अग्रेषण एजेंट निर्यात-आयात व्यापार संक्रियाओं में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

   (d) भारत की विदेश व्यापार नीति उद्योगों को वैश्विक बाजारों में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक्ता में वृद्धि के लिए प्रोत्साहित करती है।

   (e) विदेश व्यापार संबंधी प्रलेखीकरण जटिल है लेकिन कठिन नहीं।

   (f) निर्यात राशि की वसूली के लिए साख पत्र (Letter of credit) सर्वाधिक सुरक्षित विधि है।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

खण्ड-ब

निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. उन विभिन्न कारकों का उल्लेख कीजिए जो किसी फर्म को निर्यात करने के लिए प्रोत्साहित करते है। अपने उत्तर के समर्थन में उचित उदाहरण भी दीजिए। 20

3. निर्यात व्यापार नियंत्रण का क्या औचित्य है? निर्यात पर नियंत्रण के विभिन्न प्रकार क्या है? एक निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने की प्रविधि का वर्णन कीजिए। 5+10+5

4. निर्यात लेनदेनों में भुगतान की विभिन्न शर्तें क्या हैं? उन्हें सुरक्षा के क्रम में दिखाइए तथा यह व्याख्या कीजिए कि प्रलेखीय साख प्रणाली प्रलेखीय वसूली से किस प्रकार बेहतर है? 5+15

5. अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध शब्दावली (INCO terms) के मुख्य अभिलक्षणों की व्याख्या कीजिए। 20

6. निर्यात माल की सीमा-शुल्क निकासी की कार्यविधि तथा संबद्ध प्रलेखीकरण का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20

7. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : 10+10

   (a) प्रलेखीय साख संबंधी एक समान प्रथायें तथा कार्यविधियां

   (b) हवाई मार्ग बिल्टी (Airway Bill)

   (c) निर्यात संवर्धन परिषदें

   (d) पोत लदान पूर्व निरीक्षण की स्व-प्रमाणीकरण पद्धत्ति

IGNOU ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 8

IBO-04

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

07810

Term-End Examination

December, 2012

IBO-04 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer both parts A and B.*

PART-A

Comment on ***any four*** of the following statements. 4x5=20

1. (a) Documentary credit reconciles the conflicting interest of buyers and sellers in a contract.

(b) the objective of export assistance is to neuteralise the incidence of internal taxes and import content of the export product.

(c) Self certification system has brought about a qualitative change in the system of preshipment inspection in India.

(d) A diversified export business may help in reducing risks in business.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

(e) Indian Trade Promotion Organization (ITPO) helps exporters in their marketing efforts.

(f) Foreign Exchange Management Act seeks to regulate not only payments in foreign currencies but also realisation of export proceeds.

ignou
ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

PART-B

Answer *any four* quesions.

2. What are the broad objectives of Exports' (Quality Control & Inspection) Act 1963 ? **4+16**

   Briefly explain the various systems of quality control and pre-shipment inspection in India ?

3. (a) Define Bill of Lading and explain its role in export import trade. **10+10**

   (b) What are the different types of bill of lading ? Explain briefly each of them.

4. What is Electronic Data Interchange (EDI) ? Explain its significance and role in expanding international trade. What kind of strategic advantages an export house may get through EDIP Explain giving suitable illustration. **5+5+10**

www.ignouassignmentguru.com

5. Why is cargo insurance needed? Identify various kinds of perils against which insurance cover can be obtained. Explain with suitable examples. **10+10**

6. Enumerate the various methods of financing imports. Describe the regulating firm work. Also explain the procedure unde Letter of Credit. **10+5+5**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

7. Write short notes on *any two* of the following : **10+10**

(a) Export Import Bank of India

(b) Certificate of Origin

(c) Port procedures

(d) Simplified Export Documents

ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2012

आई.बी.ओ-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड-अ तथा **खण्ड-ब** दोनों कीजिए।*

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** कथनों की समालोचना कीजिए। 4x5=20

(a) प्रलेखीय साख एक अनुबंध में क्रेताओं तथा विक्रेताओं के हितों का समाधान करती है।

(b) निर्यात सहायता का मुख्य उद्देश्य आंतरिक करों के प्रभार तथा निर्यात उत्पाद के आयात अंग का निरस्तीकरण करना है।

(c) स्व-प्रमाणीकरण पद्धति से भारत में पोतलदान पूर्व निरीक्षण पद्धति में गुणात्मक परिवर्तन हुआ है।

(d) एक विविधीकृत निर्यात व्यापार व्यावसायिक जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है।

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

(e) भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (ITPO) निर्यातकर्ताओं को उनके विपणन प्रयासों में सहायता करता है।

(f) विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम का उद्देश्य न केवल विदेशी मुद्रा में भुगतानों का विनियमन करना है वरन निर्यात शक्तियों की वसूली को सुविधाजनक बनाना भी है।

ignou
ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

खण्ड - ब

निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. निर्यात (गुणवत्ता नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम 1963 के मुख्य उद्देश्य क्या हैं? भारत में गुणवत्ता नियंत्रण तथा पोत लदान पूर्व निरीक्षण की विभिन्न पद्धतियों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। **4+16**

3. (a) जहाजी बिल्टी की परिभाषा कीजिए तथा निर्यात-अयात व्यापार में इस की भूमिका की व्याख्या कीजिए। **10+10**

   (b) जहाजी बिल्टी के विभिन्न प्रकार क्या हैं? प्रत्येक की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

4. ईलेक्ट्रानिक डाटा इन्टरचेंज (EDI) से क्या तात्पर्य है? अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संवर्धन में इस के महत्व एवं भूमिका की व्याख्या कीजिए। एक निर्यात प्रतिष्ठान को EDI से किस प्रकार के युक्तिसंगत लाभ प्राप्त होते हैं? उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए। **5+5+10**

5. जहाजी माल बीमा क्योंकर आवश्यक है? जहाजी बीमा पालिसी के अंतर्गत संरक्षण प्रदान किए जाने वाले विभिन्न जोखिमों का उल्लेख कीजिए। उचित उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए। **10+10**

6. आयातों के वित्तीयन की विभिन्न पद्धतियों का उल्लेख कीजिए। नियामक ढांचे का वर्णन कीजिए। साख पत्र के अंतर्गत आयात वित्तीयन की कार्यविधि की भी व्याख्या कीजिए। **10+5+5**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

7. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10**

(a) भारतीय निर्यात - आयात (EXIM) बैंक

(b) मूल स्थान का प्रमाण-पत्र (Certificate of Origin)

(c) पोत परिवहन कार्यविधियाँ

(d) सरलीकृत निर्यात प्रलेख

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : **4**

IBO-04

01226

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2013

IBO-04 : EXPORT – IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

*Note : Answer **any five** questions. All questions carry equal marks.*

1. What is the legal framework in terms of major acts governing foreign trade of India ? Discuss macro general provisions related to exports under the foreign trade policy. **5+15**

2. What do you mean by Electronic Data Interchange ? How can you develop an EDI plan for your organisation ? Discuss in detail. **5+15**

3. Explain the provisions related to regulation and management of foreign exchange under the exchange control regulations. **20**

4. (a) Describe the basic principles of ECGC operation.

   (b) Explain the procedure and documentation requirements for making a claim from ECGC. **10+10**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. Do you think that the insurance contract is in the nature of indemnity ? Discuss and explain various kinds of perils under cargo insurance with suitable examples. **4+16**

6. Describe the procedure for customs clearance of exports cargo by sea along with the documentation formalities. **20**

7. Explain various promotional measures for expansion of production base for exports. **20**

8. Write short notes on *any two* of the following : **10+10**
   (a) Role of Export Import Bank of India
   (b) Procedure for shipment of Export Cargo by Post Parcel
   (c) ISO 9000
   (d) Fiscal Incentives for export promotion

ignou ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

आई.बी.ओ-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *कोई से **पाँच** प्रश्न कीजिए। **सभी** प्रश्नों के **अंक समान** हैं।*

1. भारत के विदेशी व्यापार को प्रशासित करने वाले मुख्य अधिनियमों के रूप में विधिक ढाँचा क्या है? विदेश व्यापार नीति के अंतर्गत निर्यात से संबंधित वृहत् सामान्य प्रावधानों (macro general provisions) का विवेचन कीजिए। **5+15**

2. इलेक्ट्रॉनिक डाटा इन्टरचेंज से आपका क्या तात्पर्य है? अपनी संस्था के लिए आप एक EDI योजना कैसे विकसित कर सकते हैं? विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए। **5+15**

3. विदेशी मुद्रा नियंत्रण विनियमों के अंतर्गत विदेशी मुद्रा के विनियमन तथा प्रबंध से संबंधित विभिन्न प्रावधानों की व्याख्या कीजिए। **20**

4. (a) ECGC प्रचालन के आधारभूत सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

   (b) ECGC पर दावा करने की कार्यविधि तथा प्रलेखीकरण आवश्यकताओं की व्याख्या कीजिए। **10+10**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. क्या आप ऐसा सोचते हैं कि बीमा अनुबंध क्षतिपूर्ति की प्रकृति का है? जहाजी माल बीमा के अंतर्गत संरक्षण प्रदान किए जाने वाले विभिन्न जोखिमों का उदाहरणसहित व्याख्या कीजिए। **4+16**

6. समुद्री मार्ग द्वारा निर्यात माल की सीमाशुल्क निकासी संबंधी कार्यविधि का प्रलेखीय औपचारिकताओं सहित वर्णन कीजिए। **20**

7. निर्यात के उत्पादन आधार के विस्तार के लिए अपनाए जाने वाले विभिन्न संवर्धनात्मक उपायों की व्याख्या कीजिए। **20**

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। **10+10**

   (a) भारतीय निर्यात आयात बैंक की भूमिका

   (b) डाक पार्सल द्वारा निर्यात माल परिवहन की कार्यविधि

   (c) आई.एस.ओ. (ISO) 9000

   (d) निर्यात संवर्धन के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन।

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 4

IBO-04

02445

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

December, 2013

IBO-04 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : Answer any five questions. All questions carry equal marks.

1. You are planning to export garments to USA. What are the commercial documents required under CIF contract for this purpose ? Describe the features of commercial Invoice and Bill of Lading. 4+16

2. (a) Describe the sequential proudure followed in opening a letter of credit with the help of a flow chart. 10+10

   (b) Describe various kinds of letter of credit.

3. Why is post -shipment finance required ? Disucss various schemes of post- shipment finance available to Indian exporters. 4+16

4. Why is import finance required ? Explain various methods of import finance available to Indian importers. 4+16

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. Distinguish between : 10+10
   (a) Liner shipping service and Tramp shipping services
   (b) Voyage charter and Time charter

6. (a) Describe the responsibilities of the insured under cargo insurance 10+10
   (b) Explain the procedure for filing claims along with the documentation formalities under cargo insurance.

7. Explain the procedural formalities and documentary requirement for customs clearance of import cargo. 20

8. Write short notes on **any two** of the following :
   (a) Value-added Network services 10+10
   (b) Pre-shipment export finance
   (c) Tax exemption for export promotion
   (d) Export promotion councils

———

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *कोई **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **सभी** प्रश्नों के **अंक समान** हैं।*

1. आप USA को कपड़ों के निर्यात करने की योजना बना रहे हैं। इस के लिए CIF अनुबंध के अंतर्गत किन व्यापारिक प्रलेखों की आवश्यकता होती है? व्यापारिक बीजक तथा जहाजी बिल्टी (Bill of Lading) की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **4+16**

2. (a) एक प्रवाह चार्ट की सहायता से एक साख-पत्र (Letter of Credit) खोलने की अनुक्रमात्मक कार्यविधि का वर्णन कीजिए। **10+10**

   (b) विभिन्न प्रकार के साख पत्रों का वर्णन कीजिए।

3. पोत-लदानोत्तर वित्त आवश्यकता क्यों पड़ती है? भारतीय निर्यातकर्त्ताओं के लिए उपलब्ध विभिन्न पोत-लदानोत्तर वित्त विधियों की व्याख्या कीजिए। **4+16**

4. आयात वित्त की आवश्यकता क्यों पड़ती है? भारतीय आयातकर्त्ताओं के लिए उपलब्ध आयात वित्त की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए। **4+16**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. निम्नलिखित में अंतर बताइए : 10+10

(a) लाइनर पोत परिवहन सेवा तथा ट्रैम्प पोत परिवहन सेवा

(b) यात्रा चार्टर तथा समय चार्टर

6. (a) माल बीमा पॉलिसी के अंतर्गत बीमाकृत व्यक्ति की जिम्मेदारियों का वर्णन कीजिए। 10+10

(b) माल बीमा के अंतर्गत दावा फाइल करने की प्रलेखीकरण औपचारिक्ताओं सहित कार्यविधि की व्याख्या कीजिए।

7. आयात माल की सीमाशुल्क निकासी संबंधी कार्यविधिक औपचारिक्ताओं की प्रलेखीय आवश्यकताओं सहित व्याख्या कीजिए। 20

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणिया लिखिए : 10+10

(a) अतिरिक्त मूल्य नेटवर्क (VAN) सेवाएं

(b) पोत-लदान पूर्व वित्त

(c) निर्यात संवर्धन हेतु कर छूट

(d) निर्यात संवर्धन परिषद

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 4 **IBO-04**

01241

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2014

IBO-04 : EXPORT – IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer* **both** *parts* **A** *and* **B**.

PART - A

1. Comment on **any four** of the following : **4x5=20**

(a) The broad objective of the Foreign Trade Policy is to act as an effective instrument of economic growth by giving thrust to employment generation.

(b) Indian Trade Promotion Organization (ITPO) is the premier trade promotion agency of the Government providing valuable services to exporting community.

(c) Institute of Cargo Clause A is much better than either B or C.

(d) All shipping documents must be submitted to an authorised dealer of foreign exchange for reaching export proceeds.

(e) EDI system can shorten the lead time between receipt and execution of export orders.

(f) All parties in a letter of credit deal only in documents.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

PART - B

Answer **any four** questions :

2. Why is documentation necessary for conducting international trade transactions ? Can we trade without any documentation ? Name the principal export documents and describe their features. **5+5+10=20**

3. What is an Export Worthy Unit Certificate issued to certain export enterprises ? Describe its rationale as well as specific benefits available to enterprises. **5+5+10=20**

4. What do you understand by Pre-shipment also known as Packing Credit ? What purpose does it serve ? Discuss the terms and conditions for grant of pre-shipment credit. **5+5+10=20**

5. Discuss the procedure and related documentation involved in custom clearance of export cargo by sea. **20**

6. Describe the schemes of recognised Export House/ Trading House and list out Special Privileges accorded under the scheme. **10+10**

7. Write short notes on **any two** of the following : **10+10**
   (a) Forward Exchange Cover
   (b) Airfrieghting
   (c) Deemed Exports
   (d) Export Under Claim of Rebate Under Rule 18.

ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *खण्ड अ तथा खण्ड ब दोनों कीजिये।*

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** कथनों की समालोचना कीजिये : **4x5=20**

   (a) विदेश व्यापार नीति का व्यापक उद्देश्य, रोज़गार सृजन के लिये जोर देते हुये, आर्थिक विकास का एक प्रभावी साधन के रूप में कार्य करने के लिये है।

   (b) भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (ITPO) सरकार की व्यापार संवर्धन करने वाली प्रमुख एजेंसी है जो निर्यातक समुदाय को बहुमूल्य सेवाएं प्रदान करती है।

   (c) संस्थान माल वाक्यांश A, B या C से बहुत बेहतर है।

   (d) सभी जहाजी दस्तावेज़ों को, विदेशी मुद्रा के अधिकृत डीलर को, निर्यात आय को वसूल करने के लिये प्रस्तुत किया जाना चाहिये।

   (e) EDI प्रणाली निर्यात आर्डरों को प्राप्त करने और उन्हें पूरा करने के बीच के समयान्तर (lead time) को कम कर सकती है।

   (f) साख पत्र (letter of credit) में सभी पक्षों का सौदा केवल दस्तावेज़ों में होता है।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

खण्ड - ब

निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

2. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार लेनदेन के लिये प्रलेखीकरण आवश्यक क्यों है? क्या हम बिना प्रलेखीकरण के व्यापार कर सकते हैं? प्रमुख निर्यात दस्तावेज़ों के नाम बताइये तथा इसके विशेषताओं का वर्णन कीजिये। **5+5+10=20**

3. कुछ निर्यात उद्यमों के लिये जारी होने वाले निर्यात योग्य इकाई सर्टिफिकेट (Export Worthy Unit Certificate) क्या है? इसके औचित्य तथा उद्यमों को इससे मिलने वाले लाभ की व्याख्या कीजिये। **5+5+10=20**

4. पोत लदान पूर्व वित्त से आप क्या समझते हैं? जिसे पैकिंग ऋण भी कहा जाता है? यह किस उद्देश्य की पूर्ति करता है? पोत लदान पूर्व ऋण प्रदान करने के लिये आवश्यक शर्तें क्या हैं? **5+5+10=20**

5. समुद्री मार्ग द्वारा निर्यात माल की सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया तथा उससे संबंधित प्रलेखीकरण पर चर्चा कीजिये। **20**

6. मान्यता प्राप्त निर्यात प्रतिष्ठान/ट्रेडिंग होम योजना का वर्णन कीजिये। इस योजना के तहत दिये गये विशेषाधिकार को इंगित कीजिये। **10+10**

7. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिये : **10+10**

   (a) वायदा विनिमय कवर (Forward Exchange Cover)

   (b) वायु परिवहन

   (c) समनिर्यात

   (d) नियम 18 के अन्तर्गत छूट का दावा वाले निर्यात

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 4

IBO-04

04601

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

December, 2014

IBO-04 : EXPORT – IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer both parts A and B.*

PART - A

1. Comment on **any four** of the following : **4x5=20**

(a) One important objective of export import policy is to facilitate technological and infrastructural upgradation of Indian industry.

(b) Selling under C.I.F contract is good for the country as a whole.

(c) Export Promotion Capital Goods (EPCG) help exporters in reducing manufacturing cost of export goods.

(d) The Duty Free Import Authorisation (DFIA) scheme which allows imports of input required for export product is an improvement over the earlier on such schemes.

(e) Exporting is far more riskier than any domestic business of comparable size

(f) EXIM Bank does not provide long - term credit.

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

PART - B

Answer **any four** of the following questions.

2. The broad objective of 'export-import' policy is to act as an effective instrument of economic growth. What strategies are proposed to achieve the objective ? Give a detailed answer. **20**

3. You have received an order for export of chikan kurtas from France. Explain in detail the procedures you have to adopt ensuring timely shipment and realisation of the export proceeds. **20**

4. Discuss briefly various quality inspection schemes covering exports from India. Also describe in detail the "Self Certification" scheme. **20**

5. Discuss the role of Export Credit and Guarantee Corporation in promoting exports from India specifying some schemes to achieve the objective. **12, 8**

6. Discuss the procedures and related documentation needed in customs clearance of import cargo. **20**

7. Write short notes on **any two** of the following : **10+10**
   (a) Airway bill and Bill of Lading
   (b) Role of Clearing and Forwarding Agent
   (c) Incoterms
   (d) Documents Against Payment (DP) and Documents Against Acceptance (DA)

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *खण्ड **अ** तथा खण्ड **ब** दोनों कीजिए।*

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** कथनों की समालोचना कीजिए। **4x5=20**

   (a) निर्यात - आयात नीति का एक मुख्य उद्देश्य भारतीय उद्योगों के तकनीकी और ढांचागत विकास को सुगम करना है।

   (b) लागत बीमा भाड़ा (C.I.F) अनुबंध के तहत बेचना पूरे देश के लिये अच्छा है।

   (c) निर्यात संवर्धन पूंजीगत पदार्थ योजना (EPCG) निर्यात माल की उत्पादन लागत को घटाने में निर्यातकों की सहायता करता है।

   (d) शुल्क मुक्त आयात प्राधिकार (DFIA) योजना जो निर्यात वस्तुओं के उत्पादन में उपयोग होने वाली आगतों के आयात की अनुमति देता है, वह पुरानी ऐसी ही योजना का सुधार है।

   (e) निर्यात तुलनीय आकार के किसी भी घरेलु व्यापार से कही अधिक जोखिम भरा है।

ignou ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

(f) निर्यात-आयात बैंक (EXIM) दीर्घकालीन ऋण प्रदान नहीं करती है।

खण्ड - ब

निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

2. निर्यात आयात नीति का व्यापक उद्देश्य आर्थिक विकास के लिये एक प्रभावी साधन बनना है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिये क्या युक्तियाँ प्रस्तावित की गई हैं ? विस्तार में उत्तर लिखिये। 20

3. आपको फ्रांस से चिकन कुर्ता के निर्यात का आर्डर प्राप्त हुआ है। समय से लदान और आय की प्राप्ति को सुनिश्चित करने की प्रक्रियाओं का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20

4. भारत से होने वाले निर्यातों के लिये गुणवत्ता निरीक्षण की विभिन्न योजनाओं की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये। स्वप्रमाणीकरण योजना की भी विस्तार में व्याख्या कीजिये। 20

5. भारत से निर्यात को बढ़ावा देने में निर्यात ऋण तथा गारंटी निगम की भूमिका का, इस उद्देश्य को पूरा करने वाली कुछ योजनाओं की व्याख्या करते हुये चर्चा कीजिए। 12, 8

6. आयात माल की सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया तथा उससे संबंधित आवश्यक प्रलेखीकरण का वर्णन कीजिए। 20

7. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये : 10+10

   (a) हवाई मार्ग बिल्टी और जहाजी बिल्टी

   (b) निकासी तथा अग्रेषण एजेंटों की भूमिका

   (c) अन्तर्राष्ट्रीय अनुबंध शब्दावली (Incoterms)

   (d) भुगतान पर प्रलेखों की सुपुर्दगी (DP) तथा स्वीकृति पर प्रलेखों की सुपुर्दगी (DA)

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : **4**

IBO-04

17701

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2015

IBO-04 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer **any five** questions. **All** questions carry **equal** marks.*

1. Why are several documents needed while executing an export order ? Explain, and also state the significance of main commercial documents. **10+10**

2. What are the rules relating to realising export proceeds, under the exchange control regulations ? Discuss in detail with examples. **20**

3. "A letter of credit reconciles the conflicting interests of buyer and seller in an international sales contract". Discuss and describe the process of realisation of sale value under letter of credit arrangement. **20**

4. Write a note on financing exports under deferred payment arrangements highlighting the role of Export - Import Bank of India. **20**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. Discuss the significance of quality control and preshipment inspection in exports. What are the different categories of inspection ? Give a detailed account of procedure in any one of the categories. **5+5+10**

6. Give a detailed description of procedures along with related documents involved in customs clearance of export cargo shipped by sea. **20**

7. Distinguish between : **5x4=20**
   (a) Shipping Bill and Bill of Entry
   (b) Customs Invoice and Consular Invoice
   (c) Bill of Lading and Airway Bill
   (d) Documents against Payment (DP) and Documents against Acceptance (DA)

8. Write short notes on **any two** of the following : **10x2=20**
   (a) ECGC Guarantees
   (b) Indian Trade Promotion Organization
   (c) EPCG scheme
   (d) Procedure for exports by port

ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. एक निर्यात ऑर्डर का निष्पादन करते समय अनेक दस्तावेजों की आवश्यक्ता क्यों पड़ती है? व्याख्या कीजिए, तथा मुख्य व्यापारिक प्रलेखों के महत्त्व का विवेचन कीजिए। **10+10**

2. विनिमय नियंत्रण विनियमों के अंतर्गत निर्यात राशि की वसूली के संबंध में क्या नियम हैं? उदाहरणों सहित विस्तार से विवेचन कीजिए। **20**

3. "एक अंतर्राष्ट्रीय विक्रय अनुबंध में साख पत्र (letter of credit) क्रेता एवं विक्रेता के अंतर्द्वंद्वी हितों का समाधान करता है।" विवेचन कीजिए, तथा साख पत्र व्यवस्था के अंतर्गत विक्रय मूल्य की वसूली की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। **20**

4. निर्यात-आयात (EXIM) बैंक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए आस्थगित भुगतान व्यवस्था के अंतर्गत निर्यात के वित्तीयन पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए। **20**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. निर्यात के संदर्भ में गुणवत्ता नियंत्रण तथा पोत-लदान पूर्व निरीक्षण के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। निरीक्षण के क्या विभिन्न वर्ग हैं? किसी एक वर्ग के अंतर्गत की जाने वाली कार्यवाही का विस्तृत वर्णन कीजिए। **5+5+10**

6. समुद्री मार्ग द्वारा निर्यात किए जाने वाले माल की सीमा शुल्क निकासी की कार्यविधियों का, संबद्ध प्रलेखों सहित, विस्तृत विवरण दीजिए। **20**

7. निम्नलिखित में अंतर बताइए : **5x4=20**

   (a) जहाजी बिल तथा आगम पत्र (Bill of Entry)

   (b) सीमा शुल्क बीजक तथा कांसुली बीजक

   (c) लदान बिल (B/L) तथा वायुमार्ग बिल

   (d) स्वीकृति पर प्रलेख सुपुर्दगी (D/A) तथा भुगतान पर प्रलेख सुपुर्दगी (D/P)

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10x2=20**

   (a) ECGC गारंटियां

   (b) भारतीय व्यापार संवर्धन संस्था

   (c) EPCG योजना

   (d) पोत (port) द्वारा निर्यात की कार्यविधि

IGNOU ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : **4**

IBO-04

18756

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

December, 2015

IBO-04 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer **any five** questions. All questions carry **equal** marks.*

1. Discuss the main provisions related to imports under the Foreign Trade Policy of India. **20**

2. What do you understand by post-shipment finance ? Discuss post-shipment finance facilities available to exporters. **20**

3. Discuss the role of Export Credit Guarantee Corporation of India in promoting exports. Also describe various risk cover policies issued by ECGC. **5+15**

4. Discuss policy provisions relating to Duty Exemption Schemes of import for export promotion. **20**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. Define Electronic Data Interchange (EDI) system and discuss its key components. What are its strategic and operational benefits ? **5+5+10**

6. Discuss different aspects of marking, labelling and packing of goods for export. Also discuss the concept and advantages of containerisation of consignments. **10+10**

7. Distinguish between the following : **5x4=20**
   (a) Open cover and Open policy
   (b) Actual Total Loss and Constructive Total Loss.
   (c) Maritime and Extraneous perils
   (d) FOB and CIF

8. Write short notes on **any two** of the following : **10x2=20**
   (a) Irrevocable letter of credit
   (b) Role of Clearing and Forwarding Agents
   (c) Bill of Exchange
   (d) Liner and Tramp shipping services.

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

1. भारतीय विदेश व्यापार नीति के अंतर्गत आयात से संबंधित मुख्य प्रावधानों का उल्लेख कीजिए। 20

2. पोत-लदानोत्तर वित्त से आप का क्या तात्पर्य है? निर्यातकर्त्ताओं को पोत-लदानोत्तर वित्त की क्या सुविधाएँ उपलब्ध हैं? विवेचन कीजिए। 20

3. निर्यात संवर्धन में निर्यात साख गारंटी निगम (ECGC) की भूमिका का विवेचन कीजिए। इस निगम द्वारा निर्गमित विभिन्न जोखिम संरक्षण पॉलिसियों का भी वर्णन कीजिए। 5+15

4. निर्यात संवर्धन के लिए आयात की शुल्क मुक्त योजनाओं संबंधी नीतिगत प्रावधानों की व्याख्या कीजिए। 20

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. इलेक्ट्रॉनिक डाटा इन्टरचेंज (EDI) प्रणाली की परिभाषा कीजिए, तथा इसके मूल घटकों का विवेचन कीजिए। इसकी युक्तियाँ एवं संक्रियात्मक लाभ क्या हैं? उल्लेख कीजिए। **5+5+10**

6. निर्यात किए जाने वाले माल के चिन्हांकन (marking), लेबलिंग तथा पैकिंग संबंधी विभिन्न पहलुओं का वर्णन कीजिए। परेषणों (consignments) के कंटेनरीकरण की संकल्पना तथा उस के लाभों का भी विवेचन कीजिए। **10+10**

7. निम्नलिखित में अंतर बताइए : **5x4=20**
   (a) खुला संरक्षण तथा खुली पॉलिसी
   (b) वास्तविक कुल हानि तथा प्रलक्षित (Constructive) कुल हानि
   (c) सामुद्रिक तथा बाह्य जोखिम
   (d) FOB तथा CIF

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10x2=20**
   (a) अविकल्पी (Irrevocable) साख पत्र
   (b) निकासी तथा अग्रेषण एजेन्ट
   (c) विनिमय बिल (B/E)
   (d) लाइनर तथा ट्रैम्प जहाजी सेवाएँ

ignou ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 4 **IBO-04**

04844

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2016

IBO-04 : EXPORT – IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer* ***both*** *the Parts - A and B.*

PART - A

1. Comment on **any four** of the following : **4x5=20**

(a) Exchange control regulations in the exporting country are the most important consideration in determining terms of payment in export-import contracts.

(b) All documents in export-import transactions have a legal perspective.

(c) All parties in a letter of credit deal only in documents.

(d) Imports under CIF contract is good for the importer.

(e) ECGC, through its schemes, enhances the credit worthiness of the exports and exporters.

(f) Advance licences under duty exemption scheme is a very useful instrument of export promotion.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

PART - B

Answer **any four** of the following questions.

2. Describe the regulatory framework of export-import business, describing the respective roles of various legislations and institutions. **20**

3. A letter of credit reconciles the conflicting interests of buyer and seller in an export contract. Explain the mechanism of letter of credit. **20**

4. What are the key elements of Electronic Data Interchange (EDI) ? Describe its advantages to exporters, giving suitable illustrations. **10+10**

5. What is export licensing ? What is its rationale ? Discuss the procedure and related documentation needed for obtaining a license. **5+5+10**

6. Discuss the procedure and related documentation for claiming drawback. Is it same for (a) export by sea or air, (b) export by post and (c) export by surface (land route) ? **20**

ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

7. Write short notes on **any two** of the following : **10+10**
   (a) Export Promotion Councils
   (b) Supplier's and Buyer's Credit
   (c) Port Procedures
   (d) Bill of lading

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : **खण्ड-क** *तथा* **ख दोनों** *कीजिए।*

खण्ड-क

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** कथनों की समालोचना कीजिए : **4x5=20**

   (a) आयात-निर्यात अनुबंधों में भुगतान की शर्तें निर्धारित करने में निर्यातक देश के विदेशी मुद्रा नियंत्रण विनियम अतीव महत्वपूर्ण घटक होते हैं।

   (b) आयात-निर्यात लेनदेनों से संबंधित सभी प्रलेखों का एक विधिक परिप्रेक्ष्य है।

   (c) साख पत्र से संबंधित सभी पक्षकार केवल प्रलेखों का ही लेनदेन करते हैं।

   (d) सी.आई.एफ. (CIF) अनुबंध के अंतर्गत किए जाने वाले आयात आयातकर्त्ता के लिए अच्छे होते हैं।

   (e) निर्यात साख गारंटी निगम (ECGC) अपनी योजनाओं द्वारा निर्यात एवं निर्यातकर्त्ताओं की उधार लेने की क्षमता में वृद्धि करता है।

   (f) शुल्क मुक्त योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले अग्रिम लाइसेंस निर्यात संवर्धन का एक महत्वपूर्ण यंत्र हैं।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

खण्ड - ख

निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. विभिन्न अधिनियमों एवं संस्थाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए निर्यात-आयात व्यवसाय से संबंधित विधिक ढांचे का वर्णन कीजिए। **20**

3. निर्यात अनुबंध में एक साख पत्र (letter of credit)क्रेता एवं विक्रेता के विरोधी हितों का समाधान करता है। साख पत्र के तंत्र (mechanism) की व्याख्या कीजिए। **20**

4. ई.डी.आई. (इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज) के मूल तत्व क्या हैं? उचित उदाहरणों के साथ निर्यातकों को इसके लाभों का वर्णन कीजिए। **10+10**

5. निर्यात लाइसेंस प्रणाली से क्या तात्पर्य है? इसका तर्काधार क्या है? लाइसेंस प्राप्त करने की प्रविधि तथा संबद्ध प्रलेखीकरण का विवेचन कीजिए। **5+5+10**

6. शुल्क वापसी अधियाचित (claim) करने की प्रविधि तथा संबद्ध प्रलेखीकरण का विवेचन कीजिए। क्या यह (a) समुद्र या वायुमार्ग द्वारा निर्यात, (b) डाक द्वारा निर्यात, तथा (c) सतह (जमीन मार्ग) द्वारा निर्यात के लिए एक-सी ही है? **20**

7. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10**
   (a) निर्यात संवर्धन परिषदें
   (b) सप्लायर तथा क्रेता साख
   (c) पोर्ट प्रविधियाँ
   (d) लदान बिल (Bill of lading)

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : **4**

IBO-004

05834

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

December, 2016

IBO-004 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer* ***both*** *the* ***Part - A*** *and* ***Part - B.***

PART - A

1. Comment on **any four** of the following : **4x5=20**

   (a) Trade policy is an instrument of economic policy which aims to promote economic growth with stability in the country.

   (b) Reserve Bank of India, through its exchange control regulations, regulate terms of payment in export business.

   (c) Export-Import Bank complements rather than compete with commercial banks in extending credit to exporters.

   (d) Exports, though profitable, is a highly risky and complex business.

   (e) Export promotion programmes aim at expansion of production base for exports.

   (f) Bill of Entry in import trade serves the same purpose as shipping Bill in exports.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

PART - B

Answer **any four** of the following questions :

2. The broad objective of the Foreign Trade Policy is to promote exports from India. What measures under the policy have been undertaken in recent years ? Give a detailed account of some of these measures undertaken in recent years. **20**

3. Discuss the merits of arbitration as a method of dispute settlement. Is there any law for enforcement of foreign awards in India ? Discuss its major provisions and procedure for enforcement of awards. **10+10**

4. What are the major commercial documents ? Give a detailed description of shipping bill and commercial invoice. **5+15**

5. What is involved in financing imports ? Discuss the various methods of financing available to importers. Are there any RBI regulations on this subject ? **5+15**

www.ignouassignmentguru.com

6. What are the different stages of clearance of export cargo ? Discuss the procedures and documentation involved. **10+10**

7. Write short notes on **any two** of the following : **10+10**
   (a) Simplified Export Documents
   (b) Institute Cargo Clause
   (c) ECGC Financial Guarantees
   (d) Value Added Network Services (VANS)

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-004

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

आई.बी.ओ.-004 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : ***खण्ड-क*** *तथा* ***खण्ड- ख*** *दोनों कीजिए।*

खण्ड - क

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** की समालोचना कीजिए : 4x5=20

(a) व्यापार नीति, आर्थिक नीति का ही एक उपकरण है जिसका उद्देश्य देश में स्थिरता के साथ आर्थिक विकास का प्रवर्तन करना है।

(b) भारतीय रिजर्व बैंक अपने विनिमय नियंत्रण नियमन द्वारा, निर्यात व्यापार में भुगतान की शर्तों को विनियमित करता है।

(c) EXIM बैंक, निर्यातकों को साख प्रदान करने में, व्यापारिक बैंकों के साथ प्रतियोगिता करने की बजाय उसके पूरक का कार्य करता है।

(d) निर्यात, यद्यपि लाभदायक हैं, परन्तु वे अति जोखिमपूर्ण एवं जटिल होते हैं।

(e) निर्यात संवर्धन कार्यक्रम निर्यात के लिए उत्पादन आधार के विस्तारण का लक्ष्य रखते हैं।

(f) आगमपत्र (Bill of Entry), आयात व्यापार में उसी उद्देश्य को पूरा करता है जोकि निर्यात व्यापार में एक पोत परिवहन बिल करता है।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

खण्ड - ख

निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

2. विदेश व्यापार नीति का मुख्य उद्देश्य भारतीय निर्यात का संवर्धन करना है। इस नीति के अंतर्गत, हाल के वर्षों में क्या उपाय अपनाए गए हैं? इन उपायों में से कुछ का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20

3. विवाद निपटान की एक पद्धति के रूप में विवाचन (arbitration) के गुणों की व्याख्या कीजिए। क्या भारत में विदेशी पुरस्कारों को लागू करने का कोई विधान है? इसके मुख्य प्रावधानों तथा पुरस्कारों को लागू करने की कार्यविधि का विवेचन कीजिए। 10+10

4. मुख्य व्यापारिक प्रलेख कौन-से हैं? जहाजी (शिपिंग) बिल तथा व्यापारिक बीजक का विस्तृत वर्णन कीजिए। 5+15

5. आयात वित्तीयन में क्या निहित है? आयातकर्त्ताओं के वित्तीयन की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए। इस विषय पर क्या कोई आर.बी.आई. नियमन हैं? 5+15

6. निर्यात माल की निकासी के विभिन्न चरण क्या हैं? इन में निहित प्रलेखीकरण तथा कार्यविधियों की व्याख्या कीजिए। 10+10

7. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10
   (a) सरलीकृत निर्यात प्रलेख
   (b) इंस्टीट्यूट जहाजी वाक्यांश
   (c) ECGC की वित्तीय गारंटियाँ
   (d) अतिरिक्त मूल्य नेटवर्क सेवाएँ (VANS)

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 4

IBO-004

22555

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2017

IBO-004 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer any five questions. All questions carry equal marks.*

1. Describe the steps involved in the processing of an export order. Discuss any four steps in detail. 6+14

2. Explain the major provisions concerning exports, specially regulations concerning realisation of export proceeds, under the Foreign Exchange Management Act ? 20

3. Give a detailed description of procedure and related documentation involved in customs clearance of export cargo. 20

4. What is frustration of contract ? Describe the available methods of dispute settlement in export-import business along with their respective merits and demerits. Which one you consider most appropriate and why ? 4+16

ignou ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. Why is import finance required ? Explain the methods of import finance. **4+16**

6. Explain the rules and procedure for : **10+10**
   (a) Claim of duty drawback under 'duty drawback credit scheme.'
   (b) Claiming relate of central excise under Rule 18.

7. Distinguish between : **5+5+5+5**
   (a) Revocable and irrevocable letter of credit.
   (b) Consular Invoice and Customs Invoice.
   (c) DA and DP.
   (d) ECGC Policies and Guarantees.

8. Write short notes on **any two** of the following : **10+10**
   (a) Simplified Export documents
   (b) Bill of Entry
   (c) Packing Credit
   (d) Export Houses

ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-004

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

आई.बी.ओ.-004 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

---

*नोट : कोई **पाँच** प्रश्न कीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

---

1. निर्यात आदेश के प्रक्रियाकरण में निहित विभिन्न क्रियाओं (चरणों) का वर्णन कीजिए। इनमें से किन्हीं चार चरणों का विस्तृत विवेचन कीजिए। 6+14

2. विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम के अंतर्गत निर्यात से संबंधित मुख्य प्रावधानों, विशेषतया निर्यात राशि के वसूली से संबंधित विनियमों, की व्याख्या कीजिए। 20

ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

3. निर्यात माल की सीमा शुल्क निकासी से संबंधित विभिन्न प्रलेखों तथा प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20

4. अनुबंध के विफलीकरण (frustration of contract) से क्या तात्पर्य है? आयात-निर्यात व्यवसाय के विवाद निपटान की उपलब्ध पद्धतियों तथा उनके गुणों व दोषों का वर्णन कीजिए। यह भी बताइए कि आप किसे सर्वोचित मानते हैं और क्यों? 4+16

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. आयात वित्तीयन की आवश्यकता क्योंकर है? आयात वित्तीयन की विधियों की व्याख्या कीजिए। 4+16

6. निम्नलिखित से संबंधित नियमों तथा कार्यविधियों की व्याख्या कीजिए। 10+10

(a) 'शुल्क वापसी क्रेडिट योजना' के अंतर्गत शुल्क वापसी का दावा पेश करना।

(b) नियम 18 के अंतर्गत केंद्रीय उत्पाद शुल्क का दावा पेश करना।

7. निम्नलिखित में अंतर बताइए : 5+5+5+5

(a) निरसनीय तथा अनिरसनीय (irrevocable) साख-पत्र

(b) वाणिज्य दूतीय (Consular) बीजक तथा सीमा शुल्क बीजक

(c) स्वीकृति पर प्रलेखों की सुपुर्दगी (DA) तथा भुगतान पर प्रलेखों की सुपुर्दगी (DP)

(d) निर्यात साख गारंटी निगम (ECGC) पॉलिसियाँ तथा गारंटियाँ

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10

(a) सरलीकृत निर्यात प्रलेख

(b) आगम पत्र (Bill of Entry)

(c) पैकिंग साख (Credit)

(d) निर्यात गृह (Export Houses)

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : **4**

IBO-004

04467

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

December, 2017

IBO-004 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer **any five** questions. **All** questions carry **equal** marks.*

1. What are the broad objectives of India's Foreign Trade Policy. Discuss the general provisions regarding exports under Export-Import Trade regulatory frame work. **6+14**

2. What is documentary credit ? Discuss the mechanism of realising payment under letter of credit arrangements along with the documentation procedure. **6+14**

3. What is credit risk ? Describe the types of cover issued by ECGC. **4+16**

4. State the purposes of documentation. Give a detailed description of any two of the commercial documents. **6+14**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. What are the responsibilities of Insured under a cargo insurance contract ? Also mention the procedure and related documents needed for filing a claim. **10, 10**

6. Define Electronic Data Processing explaining its purpose and enumerate its strategic, operational and opportunity benefits. **20**

7. (a) Distinguish between Liner and Tramp shipping services. **10+10**

   (b) Describe the role of Export Import Bank of India.

8. Write short notes on **any two** of the following : **10x2=20**

   (a) Customs Clearance of Export Cargo

   (b) Self certification scheme of Export Inspection

   (c) Bill of Entry

   (d) Deemed Exports

IGNOU ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-004

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

आई.बी.ओ.-004 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *कोई से पाँच प्रश्न कीजिए। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. भारत की विदेश व्यापार नीति के मुख्य उद्देश्य क्या हैं? आयात-निर्यात व्यापार विनियमन ढाँचे के अंतर्गत निर्यात से संबंधित सामान्य प्रावधानों का विवेचन कीजिए। **6+14**

2. प्रलेखीय साख से क्या तात्पर्य है? साख पत्र व्यवस्था के अंतर्गत, प्रलेखीय कार्यविधि के साथ, भुगतान प्राप्त करने की क्रियाविधि का विवेचन कीजिए। **6+14**

3. ऋण जोखिम (credit risk) क्या है? निर्यात साख गारंटी निगम (ECGC) द्वारा निर्गमित बीमा संरक्षण के प्रकारों (types of cover) का वर्णन कीजिए। **4+16**

4. प्रलेखीकरण के प्रयोजनों का उल्लेख कीजिए। किन्हीं दो व्यापारिक प्रलेखों का विस्तृत विवरण दीजिए। **6+14**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. जहाजी माल बीमा अनुबंध के अंतर्गत बीमाकृत व्यक्ति के क्या उत्तरदायित्व हैं? जहाजी माल बीमा दावा (claim) पेश करने की कार्यविधि तथा संबद्ध प्रलेखों का उल्लेख कीजिए। 10+10

6. इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रक्रमण (EDP) की, इस के उद्देश्यों की व्याख्या करते हुए, परिभाषा दीजिए; तथा इसके निर्णायक, कार्यात्मक एवं अवसर सुविधाओं का उल्लेख कीजिए। 20

7. (a) लाइनर तथा ट्रैम्प जहाजी सेवाओं में अंतर बताइए। 10+10

   (b) भारतीय निर्यात-आयात (EXIM) बैंक की भूमिका का वर्णन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10x2=20

   (a) निर्यात माल की सीमा शुल्क निकासी

   (b) निर्यात निरीक्षण की स्व-प्रमाणीकरण पद्धति

   (c) आगम पत्र (Bill of Entry)

   (d) समनिर्यात (Deemed Exports)

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 4 **IBO-04**

18576

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2018

IBO-04 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

***Note :** Answer both the parts - A and B.*

PART - A

1. Comment on **any four** of the following : **4x5=20**
   (a) Obtaining payment through a confirmed irrevocable letter of credit is the safest method of realising export proceeds.
   (b) Exports are essential for economic growth of the country.
   (c) Cargo insurance, also known as marine insurance occupies an important position in international business.
   (d) ISO 9000 Quality System are significant in exports.
   (e) Clearing and forwarding agents provide a link between the shipper and the carrier.
   (f) For understanding international marketing operations, an exporter needs special guidance and assistance from specialized institutions.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

PART - B

Answer **any four** of the following questions.

2. Explain various types of Commercial Documents used in Exports. **20**

3. Explain in detail, the concept of 'loss' in an insurance contract. Also explain the procedure of filing claims along with documentation in case of cargo insurance. **10+10**

4. Discuss the legal framework, stages, documentary requirements and related procedures in custom clearance of export cargo. **20**

5. Define a letter of credit and discuss its practical mechanism as a method of payment in Export/Import business. **12+8=20**

6. What are the methods of dispute settlement in export - import trade ? Which method is best suited for Indian exporters ? Discuss with examples. **10+10**

7. Write short notes on **any two** : **10+10**
   (a) The Rationale of Canalisation of exports and imports
   (b) Role of Export - Import Bank of India
   (c) Shipping bill
   (d) Financial Guarantees of ECGC

ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *खण्ड 'अ' और 'ब' दोनों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर टिप्पणी कीजिए : **4x5=20**

(a) पुष्टिकृत अनिरसनीय साख पत्र द्वारा भुगतान प्राप्त करना,निर्यात किये गये माल की भुगतान की प्राप्ति को साकार करने का सबसे सुरक्षित तरीका है।

(b) किसी देश के अर्थिक विकास के लिये निर्यात आवश्यक है।

(c) जहाज़ी माल का बीमा (Cargo insurance) जिसे सामुद्रिक बीमा भी कहा जाता है, अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

(d) आई एस ओ (ISO) 9000 गुणवत्ता प्रणाली (Quality Systems) निर्यात के लिये महत्वपूर्ण है।

(e) निकासी एवं अग्रेषण एजेन्ट शिपर (माल भेजने वाला) और वाहक के बीच की एक कड़ी है।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

(f) अन्तर्राष्ट्रिय विपणन के संचालन को समझने के लिये, एक निर्यातक को विशिष्ट संस्थाओं से विशेष मार्गदर्शन की आवश्यक्ता होती है।

खण्ड - ब

निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

2. निर्यात के लिये उपयोग में आने वाले विभिन्न प्रकार के व्यापारिक प्रलेखों को समझाइये। 20

3. एक बीमा अनुबंध में "क्षति" की अवधारणा को समझाइये। जहाज़ी माल बीमा के सन्दर्भ में दावों को पेश करने की प्रक्रिया को प्रलेखीकरण के साथ समझाइये। 10+10

4. निर्यात का जहाज़ी माल (export cargo) के सीमा शुल्क निकासी में उपयोग मे आने वाले कानूनी ढाँचों, चरणों, प्रलेखी आवश्यक्ताओं और संबंधित प्रक्रियाओं की चर्चा कीजिये। 20

5. साख पत्र को परिभाषित कीजिए तथा इसके आयात निर्यात व्यवसाय के भुगतान की विधि के रूप में व्यावहारिक कार्यकलापों पर चर्चा कीजिए। 12+8=20

6. निर्यात-आयात व्यापार में विवाद निपटान की मुख्य विधियाँ क्या हैं ? भारतीय निर्यातकों के लिये सबसे उचित विधि क्या हैं? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 10+10

7. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त नोट लिखिए : 10+10
   (a) निर्यात एवं आयात के माध्यमीकरण (Canalisation) का औचित्य।
   (b) भारत के निर्यात-आयात (EXIM) बैंक की भूमिका।
   (c) पोत-परिवहन बिल।
   (d) इ.सी.जी.सी का वित्तीय गारन्टी।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 4

IBO-04

13923

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

December, 2018

IBO-04 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer both the parts - A and B.*

PART - A

1. Comment on any four of the following Statements : **4x5=20**

   (a) All parties in a letter of credit deal in documents.

   (b) ECGC through their financial guarantees enhance the credit worthiness of the exporters.

   (c) Containerisation has become a predominant form of unitised transport.

   (d) Customs clearance help in regulating Foreign Trade in accordance with National Objectives.

   (e) An important motive behind export incentives is to make Indian product price and quality competive in foreign markets.

   (f) Export - Import Bank does not compets with Commercial Bank but supplements the services provided by them to the exporters.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

PART - B

Answer **any four** of the following questions :

2. Discuss the salient highlights of EXIM Policy of Govt. of India. **20**

3. Write a detailed note on the Institutional set up for export promotion giving its rationale and detailed working of any five of the institutions. **20**

4. (a) Why there is a need to have a system of regulating exports through export licensing ? Give reasons for it.
   (b) Discuss any six International Contract terms. **10+10**

5. Discuss the procedure and related documentation needed for custom clearance of import cargo. **20**

6. Describe various types of Post Shipment Finances available to Indian Exporters. **20**

7. Write short notes on **any two** of the following : **2x10**
   (a) Linear and Tramp Shipping Services
   (b) Actual Total Loss and Constructive Total Loss
   (c) Force Majeure Clause and its Implication in an Export Sales Contract
   (d) FEMA regulations for realising export proceeds

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2018

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *खण्ड 'अ' और 'ब' दोनों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर टिप्पणी लिखिए : 4x5=20

   (a) साख पत्र में सभी पक्ष (parties) प्रलेखो में लेन-देन करते है।

   (b) ई.सी.जी.सी. अपने वित्तीय गारण्टी के द्वारा निर्यातकों की साख को बढ़ाता है।

   (c) कन्टेनर एकीकृत परिवहन का एक प्रमुख रूप है।

   (d) राष्ट्रीय उद्देश्यों के परिप्रेक्ष में सीमा शुल्क निकासी, विदेशी व्यापार को विनियमित करने में सहायता करता है।

   (e) निर्यात प्रोत्साहन का एक महत्वपूर्ण प्रयोजन, विदेशी बाज़ार में भारतीय वस्तुओं को कीमत प्रतिस्पर्धी एवं गुणवत्ता प्रतिस्पर्धी बनाना है।

   (f) निर्यात - आयात बैंक कमर्शियल बैंक के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करती बल्कि उनके द्वारा निर्यातकों को दी जाने वाली सेवाओं की पूरक है।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

खण्ड - ब

निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार** के उत्तर दीजिए :

2. भारत सरकार के निर्यात - आयात नीतियों की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 20

3. निर्यात संवर्धन के लिये संस्थागत ढांचो में से किन्हीं पाँच संस्थाओं पर,उनके कार्यप्रणाली और औचित्य के साथ विस्तृत नोट लिखिए। 20

4. (a) निर्यात लाइसेंस के माध्यम से निर्यात को विनियमित करने की प्रणाली की आवश्यक्ता क्यों हैं? कारण दीजिए।

   (b) किन्हीं छः (6) अन्तर्राष्ट्रीय अनुबंध शब्दावली की व्याख्या कीजिए। 10+10

5. आयात माल की सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रियाओं और संबंधित प्रलेखों (दस्तावेज़ों) की चर्चा कीजिए। 20

6. भारतीय निर्यातकों को मिलने वाले विभिन्न प्रकार के पोत-लदानोत्तर वित्त की व्याख्या कीजिए। 20

7. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त नोट लिखिए : 2x10

   (a) लाइनर जहाज़ी सेवाएँ तथा ट्रैम्प जहाज़ी सेवाएँ

   (b) वास्तविक कुल हानि तथा प्रलक्षित कुल हानि

   (c) निर्यात विक्रय अनुबंध में अपरिहार्य घटना क्लाज़ (Force Majeure Clause) एवं इसके परिणाम

   (d) निर्यात आय को प्राप्त करने में विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम के विनिमयन

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : **4**

IBO-04

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

26734

Term-End Examination

June, 2019

IBO-04 : EXPORT-IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer any five questions. All questions carry equal marks.*

1. Discuss the salient features of current Export - Import Policy. Are any changes necessary in view of the prevailing international situation and the need to accelerate on growth rate ? **10, 10**

2. Discuss the broad objects and legal framework of customs clearance of export cargo. Discuss briefly the procedure and related documentation involved. **10, 10**

3. What are the different terms of payments used in export import trade ? What would you consider safest from the view point of exporters ? **10, 10**

4. What are the various types of cargo insurance contracts ? Describe their respective characteristics and benefits to policy holders. Give suitable illustrations. **8, 12**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. Discuss the role of Clearing and Forwarding Agents in export-import trade. Enumerate the various benefits which accrue to the trading community ? **10, 10**

6. What do you understand by EDI (Electronic Data Interchange) ? What are the strategic advantages an Export house may get through EDI ? **8, 12**

7. Explain the procedure for :

   (a) Fixation of brand rate for duty drawback. **10**

   (b) Obtaining Advance authorisation under Duty Exemption Scheme. **10**

8. Write short notes on **any two** of the following : **10, 10**

   (a) ECGC Guarantees

   (b) Incoterms

   (c) Liner and Tramp Shipping Services

   (d) Self Certification Scheme for Export Inspection

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/ वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : कोई पाँच प्रश्न कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. प्रचलित आयात-निर्यात नीति की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। क्या प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय स्थिति एवं विकास दर में तीव्रता लाने के दृष्टिकोण से इस में कुछ परिवर्तन करना आवश्यक है? विवेचन कीजिए। **10, 10**

2. निर्यात माल की शुल्क निकासी के कानूनी ढाँचे एवं उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए। इसकी कार्यविधि तथा संबद्ध प्रलेखों का भी वर्णन कीजिए। **10, 10**

3. निर्यात व आयात व्यापार में उपयोग होने वाली भुगतान की विभिन्न शर्तें क्या हैं? निर्यातकर्त्ताओं के दृष्टिकोण से आप किसे अतीव सुरक्षापूर्ण मानते हैं? व्याख्या कीजिए। **10, 10**

4. जहाजी माल बीमा अनुबंधों के विभिन्न प्रकार क्या हैं? उनकी विशेषताओं और पॉलिसी धारकों को उनके लाभों का वर्णन कीजिए। समुचित उदाहरण भी दीजिए। **8, 12**

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. निर्यात-आयात व्यापार में निकासी एवं अग्रेषण एजेंटों की भूमिका की व्याख्या कीजिए। व्यापार समुदाय को प्राप्त होने वाली विभिन्न सुविधाओं का भी उल्लेख कीजिए। **10, 10**

6. EDI (इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज) से आप का क्या तात्पर्य हैं? EDI के माध्यम से निर्यात गृहों को क्या रणनीतिक लाभ प्राप्त हो पाते हैं? व्याख्या कीजिए। **8, 12**

7. निम्नलिखित से संबंधित प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए :

   (a) शुल्क वापसी के लिए ब्रांड दरों का निर्धारण **10**

   (b) शुल्क की छूट योजना के अंतर्गत अग्रिम प्राधिकार प्राप्त करना **10**

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10, 10**

   (a) ECGC गारंटियाँ

   (b) इंकोटर्मस

   (c) लाइनर तथा ट्रैंप जहाजी सेवाएँ

   (d) निर्यात निरीक्षण की स्व-प्रमाणन योजना (Self Certification Scheme)

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 4

IBO-004

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

28384

December, 2019

IBO-004 : EXPORT – IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

(Weightage : 70%)

Note : *Answer any* ***five*** *questions. All questions carry equal marks.*

1. What are the broad features of present day composition of India's foreign trade — both imports and exports ? Do you envisage any changes in view of expected higher rates of growth in the near future ? *10+10*

2. Export procedures and documentation are the most complicated aspects of India's export – import business. Do you agree ? State some of the efforts undertaken in recent years to simplify them. *10+10*

3. Give a detailed account, step-by-step, of procedures and the documents involved in getting import cargo cleared from customs. *20*

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

4. It is said that the ECGC enhances the creditworthiness of not only the export transaction but also the exporter. Do you agree with the statement ? Explain. *20*

5. Is it a statutory obligation to get the goods inspected before shipment ? If so, name the relevant legislation. Also describe the situations when the goods can be exported without the permission of authorities designated by the legislation. *5+5+10*

6. What are the different methods of payments ? Discuss the operation of L/C and how L/C is different from D/P and D/A method of payment. *4+8+8*

7. Discuss the procedure and related documents involved in excise clearance of exports under Rule 18 of Central Excise Rules. What are the authorities involved ? *15+5*

www.ignouassignmentguru.com

8. Write short notes on any ***two*** of the following : *10+10*

   (a) Buyer's Credit

   (b) Deemed Exports

   (c) Port Procedures

   (d) Liner and Tramp Shipping Services

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

आई.बी.ओ.-004

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2019

आई.बी.ओ.-004 : निर्यात – आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का : 70%)

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. भारत के विदेशी व्यापार (आयात एवं निर्यात दोनों) के आधुनिक मिश्रण की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं ? निकट भविष्य की अपेक्षित अधिक विकास दरों के संदर्भ में क्या आप कुछ परिवर्तनों की अपेक्षा करते हैं ? *10+10*

2. निर्यात प्रविधियाँ एवं प्रलेखीकरण भारत के आयात – निर्यात व्यवसाय के अति जटिल पहलू हैं । क्या आप इस बात से सहमत हैं ? इनके सरलीकरण के लिए हाल के वर्षों में अपनाए गए कुछ उपायों का उल्लेख कीजिए । *10+10*

3. आयात किए जाने वाले माल की सीमाशुल्क निकासी की प्रविधियों तथा इसमें निहित प्रलेखों का, कदम-दर-कदम, विस्तृत विवरण दीजिए । *20*

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

4. यह कहा जाता है कि निर्यात साख गारंटी निगम (ECGC) न केवल निर्यात लेनदेन की वरन् निर्यातकर्ता की उधार लेने की क्षमता में भी वृद्धि करती है । क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? व्याख्या कीजिए । *20*

5. क्या पोत-लदान (shipment) से पहले माल का निरीक्षण करवाना एक सांविधिक दायित्व है ? यदि ऐसा है, तो संबद्ध विधान (legislation) का नाम बताइए । उन स्थितियों का भी वर्णन कीजिए जब विधान द्वारा नामोद्दिष्ट अधिकारियों की अनुमति के बिना माल का निर्यात किया जा सकता है । *5+5+10*

6. भुगतान की विभिन्न पद्धतियाँ क्या हैं ? साख-पत्र की कार्यविधि की विवेचना कीजिए तथा यह स्पष्ट कीजिए कि साख-पत्र भुगतान पर प्रलेखों की सुपुर्दगी (D/P), स्वीकृति पर प्रलेखों की सुपुर्दगी (D/A) से किस प्रकार भिन्न है । *4+8+8*

7. केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियमों के नियम 18 के अंतर्गत निर्यातों की उत्पाद-शुल्क निकासी में निहित संबंधित प्रलेखों तथा कार्यविधि की विवेचना कीजिए । इसमें संलग्न अधिकारी कौन-से हैं ? *15+5*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *10+10*

   (क) क्रेता की साख (Buyer's Credit)

   (ख) सम निर्यात (Deemed Exports)

   (ग) बन्दरगाह कार्यविधियाँ (Port Procedures)

   (घ) लाइनर तथा ट्रैम्प जहाजी सेवाएँ

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 8

IBO-04

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE (PGDIBO/M.COM)

Term-End Examination

June, 2020

IBO-04 : EXPORT-IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : Answer **both** the Parts—Part A and Part B.*

Part—A

1. Comment on any ***four*** of the following statements : 5 each

   (i) Role of marketing effort is crucial in export promotion.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

(ii) According to Uniform Customs and Practice (UCP) a letter of credit is essentially a contract between the opening banker and the beneficiary *i. e.* the exporter. All other parties are outsiders to the contract.

(iii) All the paper work in the export-import business is unnecessary and can easily be avoided.

(iv) All exports with no exception have to be physically inspected by the government agencies.

(v) Cargo insurance is essential in international business.

(vi) Special Economic Zones (SEZ) have played an important role in promoting exports.

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Part—B

Note : Answer any ***four*** of the following questions.

2. Write a comprehensive essay on infrastructure for export promotion in the country. Also

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

discuss the detailed working of any ***one*** of the institutions set up for the purpose. 10, 10

3. Discuss the relevant provisions of Foreign Exchange Management Act (FEMA) regarding realisation of export proceeds and other matters relating to foreign trade. 20

4. What is the procedures of sending goods abroad through the post office ? What are the documents needed ? 20

5. Discuss the detailed procedure regarding customs clearance of export cargo with related documents. 20

6. Why has the Electronic Data Interchange (EDI) become necessary for international business ? What strategic advantage an exporting unit may get through EDI ? Discuss giving suitable illustrations in support of your answer. 10, 10

ignou ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

7. Write short notes on any ***two*** of the following :

10 each

(a) Clearing and Forwarding Agent

(b) Export Licensing

(c) Export-Import Bank of India

(d) Self-Certification Scheme for Quality

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

IBO-04

अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(पी. जी. डी. आई. बी. ओ./एम. कॉम.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया व प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' दोनों कीजिए।*

ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 5

(i) निर्यात संवर्धन में विपणन प्रयासों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

(ii) UCP (Uniform Customs and Practice) के अनुसार, साख पत्र ओपेनिंग बैंकर और हिताधिकारी अर्थात् निर्यातक के बीच एक अनिवार्य अनुबंध है। अन्य सभी पक्ष अनुबंध के लिए बाहरी हैं।

(iii) निर्यात-आयात व्यापार में सभी कागजी कार्य अनावश्यक हैं और उन्हें सरलता से टाला जा सकता है।

(iv) सभी निर्यातों का, बिना किसी अपवाद के, सरकारी एजेंसियों द्वारा वैयक्तिक रूप से निरीक्षण किया जाना चाहिए।

www.ignouassignmentguru.com

(v) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में कार्गो (निर्यात माल) बीमा आवश्यक है।

(vi) निर्यात संवर्धन में विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (SEZs) ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

खण्ड–ब

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. किसी देश में निर्यात संवर्धन के लिए बुनियादी ढाँचे पर व्यापक निबन्ध लिखिए। इस उद्देश्य के लिए स्थापित किसी एक संस्था के कार्यों की भी विस्तृत व्याख्या कीजिए। 10, 10

3. निर्यात आय प्राप्ति तथा विदेशी व्यापार से सम्बन्धित अन्य मामलों के संदर्भ में विदेशी मुद्रा प्रबन्धन अधिनियम (FEMA) के उपयुक्त प्रावधानों की व्याख्या कीजिए। 20

4. पोस्ट ऑफिस (डाक) द्वारा विदेशों में माल भेजने की प्रक्रियायें क्या हैं ? इसके लिए किन प्रपत्रों की आवश्यकता होती है ? 20

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. निर्यात माल की सीमा शुल्क निकासी के लिए प्रक्रियाओं तथा सम्बन्धित प्रपत्रों की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 20

6. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज (EDI) आवश्यक क्यों हो गयी है ? EDI द्वारा एक निर्यात इकाई को रणनीतिक लाभ क्या हैं ? अपने उत्तर के समर्थन में उपयुक्त उदाहरण देते हुए वर्णन कीजिए। 10, 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 10

(क) निकासी व अग्रेषण एजेंट

(ख) निर्यात लाइसेंसिंग

(ग) भारत का निर्यात-आयात बैंक (EXIM Bank)

(घ) गुणवत्ता के लिए स्वप्रमाणन योजना

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 7

IBO-04

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE (PGDIBO/M.COM)

Term-End Examination

December, 2020

IBO-04 : EXPORT-IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer* ***both*** *the Parts—Part A and Part B.*

ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Part—A

1. Comment on any ***four*** of the following :

$5 \times 4 = 20$

(i) International trade is the engine of economic growth.

(ii) Export documents are indispensible in any export-import transaction.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

(iii) All partners in a letter of documentary credit deal in documents only.

(iv) ECGC enhances the credit worthiness of export transactions and also the exporter.

(v) The cardinal principle of about insurance claim is that the insured has to fulfill clearly defined responsibility.

(vi) The Central Excise Act, 1944 and the Centre Excise Rules, 2000 incorporate a variety of schemes designed with a single purpose that excisable goods to be exported should not be burdened with excise duties.

Part—B

Note **:** Answer any ***four*** of the following questions.

2. Discuss the recent trends in India's foreign trade stating, its composition and direction. Have any significant changes taken place during the last ten years ? Explain. 15 + 5

3. Discuss the duties of an exporter under FOB and CIF contracts. 10 + 10

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

4. Explain the various steps along with related documents involved in exports from receipt of export order till realisation of export proceeds.

20

5. Discuss the relevance of Export Credit and Guarantee Corporation (ECGC) in export promotion. How does it help the exporters ? Explain giving suitable illustrations in support of your answer. 10 + 10

6. What is involved in Central Excise Clearance of export cargo ? Discuss in detail the procedure and related documentation. 10 + 10

7. Write short notes on any ***two*** of the following :

10 + 10

(a) Marine Insurance Contract

(b) Forward Exchange Cover

(c) Shipping Bill

(d) Electronic Commerce

ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

IBO-04

अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(पी. जी. डी. आई. बी. ओ./एम. कॉम.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया व प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब'* ***दोनों*** *कीजिए।*

www.ignouassignmentguru.com

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$5 \times 4 = 20$

(i) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार आर्थिक विकास का इंजन है।

(ii) किसी भी निर्यात-आयात लेन-देन में निर्यात प्रलेख अपरिहार्य हैं।

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

(iii) प्रलेखीय साख पत्र के सभी पक्षकार प्रलेखों में ही सौदा करते हैं।

(iv) निर्यात ऋण तथा गारंटी निगम (ई. सी. जी. सी.) साख योग्यता तथा निर्यातक की योग्यता को बढ़ाता है।

(v) बीमा दावों के लिए मूलभूत सिद्धान्त है कि बीमाकृत व्यक्ति स्पष्ट रूप से परिभाषित उत्तरदायित्वों को पूरा करे।

(vi) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2000 में विभिन्न योजनायें शामिल हैं जिनका एकमात्र उद्देश्य है कि उत्पाद शुल्क योग्य जिन वस्तुओं का निर्यात करना है उन पर उत्पाद शुल्क का भार न पड़े।

ignou ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

खण्ड–ब

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. भारत के विदेशी व्यापार की रचना व दिशा बताते हुए इसमें नई प्रवृत्तियों की व्याख्या कीजिए। क्या पिछले दस

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

वर्षों में इसमें कोई महत्वपूर्ण बदलाव आया है? समझाइए। 15 + 5

3. पोत तल पर नि:शुल्क अनुबंध (FOB) और लागत बीमा तथा भाड़ा अनुबंध (CIF) के अन्तर्गत एक निर्यातक के कर्तव्यों की व्याख्या कीजिए। 10 + 10

4. निर्यात के लिये, निर्यात आदेश की प्राप्ति से लेकर निर्यात आय की प्राप्ति तक के विभिन्न चरणों तथा प्रलेखों की व्याख्या कीजिए। 20

5. निर्यात संवंर्धन में निर्यात साख गारंटी निगम (ECGC) के औचित्य की व्याख्या कीजिए। यह निर्यातकों की किस प्रकार सहायता करता है? अपने उत्तर के समर्थन में उपयुक्त उदाहरण देते हुए वर्णन कीजिए। 10 + 10

6. निर्यात माल के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निकासी में क्या-क्या शामिल हैं? इसकी प्रक्रिया तथा इससे सम्बन्धित प्रलेखों की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 10 + 10

ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10 + 10

(क) समुद्री बीमा अनुबंध

(ख) वायदा विनिमय रक्षा

(ग) जहाजी बिल

(घ) इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com